

भारत का राजपत्र **The Gazette of India**

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 151]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 25, 1970/भाद्र 3, 1892

No. 151]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 25, 1970/BHADRA 3, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 25th August 1970

G.S.R. 1228.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act 1955(10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Southern States (Regulation of Export of Rice) Order, 1964 namely:—

1. (1) This Order may be called the Southern States (Regulation of Export of Rice) Amendment Order, 1970.

(2) It shall come into force at once

2. In the Southern States (Regulation of Export of Rice) Order, 1964, for clause 3, the following clause shall be substituted, namely:—

“3. **Restrictions on Export of Rice from specified area.**—No person shall export or attempt to export or abet the export of rice from any place within a specified area to a place outside that area except under, and in accordance with, a permit issued by:—

(i) the Central Government or by an Officer authorised by it in this behalf; or

(ii) the State Government concerned or by an Officer authorised in this behalf by that Government subject to the condition that such exports under permits shall be regulated in accordance with such directions as may be issued by the Central Government in this behalf from time to time.”

[No. 203(AP)(1)/23/70-PY.II]

R BALASUBRAMANIAN, Jt. Secy.

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 25 अगस्त, 1970

सा० का० नि० 1228.—प्रावण्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार दक्षिणी राज्य (चावल के निर्यात का विनियमन) आदेश, 1964 में और आगे मशौघन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित आदेश बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) यह आदेश दक्षिणी राज्य (चावल के निर्यात का विनियमन) मशौघन आदेश, 1970 कहा जा सकेगा ।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा ।

2. दक्षिणी राज्य (चावल के निर्यात का विनियमन), आदेश 1964 में, खण्ड 3 के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“3. विनिर्दिष्ट क्षेत्रों से चावल के निर्यात पर निर्बन्धन—कोई भी व्यक्ति विनिर्दिष्ट क्षेत्र के भीतर किसी स्थान से उस क्षेत्र के बाहर के किसी स्थान को, निम्नलिखित द्वारा जारी किए गए अनुज्ञापत्र के अधीन और उसके अनुसार के सिवाय चावल का न तो निर्यात और न उसके निर्यात का पयत्न और न निर्यात का दुष्प्रेरण करेगा—

(i) केन्द्रीय सरकार या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी आफिसर द्वारा, या

() सम्बन्धित राज्य सरकार या उस सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी आफिसर द्वारा इस शर्त के अधीन कि अनुज्ञापत्रों के अधीन ऐसे निर्यात केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर इस निमित्त जारी किए जान वाले ऐसे निदेशों के अनुसार विनियमित किए जाएंगे ।”

[स० 203(ए० पी०) (1)/23/70-पी० वाई-II]

आर० बालमुन्नियन, सयुक्त सचिव ।